Class. I.Com XII
Subject. EPS
Topic. Business opportunity
Lecture. 02
Prepared by Dr C P Sahu
Marwari College Darbhanga.

व्यावसायिक अवसर

(1)

साहसी व्यावसायिक अवसर को खोजता है। एक सक्षम साहसिक कार्य या व्यवसाय का चयन करता है। एक साहसी अनेक संभावनाओं का मूल्यांकन करता है तथा क्रियान्वयन के लिए परियोजना का चयन करता है। किसी उद्यमशील कार्य में व्यावसायिक अवसर की सम्भावना तभी बन पाती है जब उसमें उसकी वाणिज्यिक सफलता की संभावना हो। तकनीकी, उत्पादन, वाणिज्यन तथा प्रबन्धकीय जोखिम क्षमता की दृष्टि से साध्यशील होने चाहिए तभी उस कार्य विचार को व्यावसायिक अवसर कहा जा सकता है।

पहचान के प्रमुख उद्देश्य -

व्यावसायिक अवसर की पहचान के निम्नलिखित उद्देश्य हैं। -

1. लघु, मध्यम एवं वृहत पैमाने के उद्योगों की संभावनाओं का अध्ययन एवं परीक्षण करना
2. अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन विकास सम्भावनाओं को ज्ञात करना
3. औद्योगिक विस्तार की संभावना से संबंधित परिस्थितियों का सर्वेक्षण करना
4. आँकड़ों का संकलन एवं विश्लेषण। सम्भावित उत्पाद का चुनाव
5. सम्भावित उद्योगों के संदर्भ में अवसरों को पहचानना
6. उद्योगों को पहचानना जो स्थानीय संसाधनों पर आधारित नहीं है लेकिन भावी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ऐसे उद्योगों पर आर्थिक रूप से विचार किया जा सके।

Scanned with CamScanner

(7) निश्चित क्षेत्र में तकनीकी एवं आर्थिक दृष्टिकोण से भौतिक संसाधनों के उपयोग एवं विकास की संभावनाओं का मूल्यांकन करना।

(8) औद्योगिक विकास प्रक्रिया के संबंध में उपलब्ध वित्तीय संसाधनों के प्रभाव का मूल्यांकन करना

इस प्रकार उपर्युक्त उद्देश्यों का अध्ययन करने के बाद ही कोई निर्णय लेना चाहिए क्योंकि इसी पर व्यवसाय का भविष्य निर्भर करता है।

स्पष्टतः एक उद्यमी अवसरों की खोज करने वाला व्यक्ति होता है वह जाँच-पड़ताल के बाद एक उपयुक्त व्यावसायिक अवसर का चुनाव करता है। व्यावसायिक अवसर प्रत्यय के रूप में एक आकर्षक परियोजना होती है जो उद्यमी को किसी निश्चित परियोजना में विनियोग-निर्णय हेतु प्रोत्साहित करती है।

पहचान को प्रभावित करने वाले घटक —

(1) औद्योगिक कच्चे माल की उपलब्धि
(2) आन्तरिक माँग की मात्रा (3) बाह्य सहायता का स्वरूप (4) विद्यमान इकाईयों के निष्पादन का विश्लेषण
(5) निर्यात की संभावना (6) आन्तरिक संसाधनों की उपलब्धता (7) जोखिम की मात्रा (8) प्रस्तावित औद्योगिक विकास के संबंध में सूचनाएँ एकत्रित करना

इस प्रकार हम कह सकते है कि व्यावसायिक अवसर विश्लेषण के द्वारा साहसी यह निश्चित करता है कि वह किस व्यावसायिक कार्य को किया जाना लाभप्रद हो सकता है। जोखिम एवं भावी लाभ संभावनाओं को देखते हुए उपक्रम को कुशल प्रबन्ध एवं संचालन कर सकता है। उद्यमी व्यावसायिक अवसरों के विश्लेषण द्वारा उपक्रम के प्रवर्तन के संबंध में उचित निर्णय लेता है तथा विकास की प्रक्रिया को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए सोचता है।

— x —